दूर शिक्षा निदेशालय
बी.ए. पाठ्यक्रम
विषय: हिंदी अनुशासन (अनिवार्य)

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थी,

बी.ए. पाठ्यक्रम जुलाई 2022 के अंतर्गत हिंदी अनुशासन (अनिवार्य) में प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए यह सत्रीय कार्य है. आप सभी प्रवेशित विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि बी.ए. के अंतर्गत हिंदी अनुशासन (अनिवार्य) पाठ्यचर्या के प्रथम सेमेस्टर और द्वितीय सेमेस्टर के सत्रीय कार्य जारी किया जा रहा है. सत्रीय कार्य अपनी लिखावट में लिखकर आप अपने संबंधित अभ्यास केंद्र पर या जो विद्यार्थी सीधे मुख्यालय के माध्यम से पंजीकृत हुए हैं वे निम्न पते पर सत्रीय कार्य भेजें:

निदेशक
दूर शिक्षा निदेशालय
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट : हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा महाराष्ट्र- 442001
फोन / फैक्स नं. : 0752-247146 वेबसाईट : http://hindvishwa.org/distance

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि : 30 जून 2023

सत्रीय कार्य का उद्देश्य :

सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकों को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण एवं मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है और उसे किस तरह से प्रस्तुत करने की क्षमता आपने विकसित की है। सत्रीय कार्य के अंतर्गत पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यवहारिक रूप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यवहारिक ज्ञान, आलोचनात्मक मूल्यांकन, विभिन्न विचारों के बारे में आपकी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन आपके परीक्षक उपरोक्त बातों को ध्यान में रखकर करेंगे।

सत्रीय कार्य लेखन निर्देश :

प्रिय विद्यार्थी, सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए एवं इनका अनुपालन करना सुनिश्चित कीजिए :

1. सत्रीय कार्य को स्वयं की हस्तलिपि (Hand Written) में ही लिखें और हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत करें . टंकित प्रति स्वीकार्य नहीं है।

2. सत्रीय कार्य लेखन के लिए केवल फुलस्केप (A4) आकार के सादे कागज का ही प्रयोग करें।

3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।

4. प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व आवश्यक निर्देशों का सावधानीपूर्वक पालन करें।

5. प्रश्नों को ध्यान पूर्वक पढ़ने के पश्चात, पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर लिखें।

6. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छायाप्रति अवश्य रखें।

7. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखें।

8. अपनी उत्तर पुस्तिका की बाई ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखें।

उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ (Cover Page) निम्न प्रकार से प्रारंभ होगा :

पाठ्यक्रम का नाम: बी.ए. हिंदी अनुशासन

प्रश्न पत्र का शीर्षक :..........................

प्रश्न-पत्र कोड :..................................

अभ्यास केंद्र का नाम: ....

पंजीयन संख्या: ....

नामांकन संख्या: ....

नाम: ....

पता: ....

मो.: ....

ई-मेल: ....

दिनांक: ....

विद्यार्थी का हस्ताक्षर : ....

<u>प्रथम सेमेस्टर</u>

पाठ्यचर्या का शीर्षक : 1. <u>हिंदी साहित्य का इतिहास</u>

पाठ्यचर्या का कोड : BAHA -1

पाठ्यचर्या का क्रेडिट : 04

कुल अंक: 30 अंक

निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर न्यूनतम 1000 शब्दों में लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्न 1 : आदिकाल की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए सिद्ध एवं नाथ साहित्य का परिचय प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 2: भक्तिकाल के उदय की पृष्ठभूमि बताते हुए सगुण भक्ति काव्यधारा का विवेचन प्रस्तुत कीजिए ।

प्रश्न 3 : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4 : छायावाद की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए छायावादी काव्य का परिचय दीजिए।

प्रश्न 5 : आधुनिक काल की मुख्य प्रवृतियों का परिचय देते हुए प्रगतिवाद को स्पष्ट कीजिए।

<u>द्वितीय सेमेस्टर</u>

पाठ्यचर्या का शीर्षक : 2 प्राचीन एवं मध्ययुगीन हिंदी काव्य

पाठ्यचर्या का कोड BAHA -2

पाठ्यचर्या का क्रेडिट - 04

कुल अंक: 30 अंक

निम्नलिखित में से किन्ही 03 प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर न्यूनतम 1000 शब्दों में लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न के अधिकतम अंक 10 हैं।

प्रश्न 1: विद्यापति की पदावलियों के विषय-वस्तु का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2: अमीर खुसरो के काव्य की मुख्य विशेताओं का उल्लेख उदाहरण सहित कीजिए।

प्रश्न 3 : तुलसीदास का काव्य में भक्ति के स्वरूप का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 4 : सूरदास के काव्य में भक्ति और प्रेम को उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5 : जायसी के काव्य में प्रेम और विरह के स्वरूप को सपष्ट कीजिए।